काब में महिला दिवस समारोह

बिहार दलित विकास समिति, क्षेत्रीय कार्यालय, रूकुनपुरा के बैनर तले ग्राम काब (पोखर पर) भव्य रूप से महिला दिवस समारोह का आयोजन 23 मार्च, 2015 को किया गया, जिसका उद्घाटन श्रीमती कमला अनुरंजन एवं समूह की महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्जवलित कर के किया गया। समारोह की अध्यक्षता श्रीमती मालती देवी ने की। अपने उद्घाटन भाषण में कमला अनुरंजन ने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए यह जरूरी है कि महिलाओं में आत्म सम्मान एवं आत्म विश्वास बढ़ाया जायें। महिलाओं को स्वाबलम्बी बनाने के लिए उनमें शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के बारे में जानकारी, अपने विकल्प खुद चुनने की शक्ति, विकासात्मक कार्यक्रमों में बराबरी की भागीदारी, आर्थिक स्वतंत्रता के लिए स्वाबलम्बन एवं अपने हक-अधिकार को समझने एवं लड़ने हेतु मानसिक रूप से तैयार होना है। भारतीय संविधान में महिला-पुरूष भेद-भाव का वर्ताव न किये जाने एवं समान रूप से जीविका चलाने तथा विकास के समान अवसर मुहैया कराने का प्रावधान है। लेकिन हकीकत है कि समाज में भेद-भाव जन्म से ही प्रारम्भ हो जाता है। लड़कियों को लड़कों के समान व्यक्तित्व विकास हेतु अवसर नहीं दिया जाता है।

एतवारी भाई ने संबोधित करते हुए कहा कि अधिकार भीख की तरह हाथ पसार कर मांगने से नहीं मिलेगा, उसे पाने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना पड़ेगा। समाज में व्याप्त छुआछूत, जाति-भेद, अंधविश्वास एवं लिंग-भेद को समाप्त करने की आवश्यकता है। ग्रामीण स्तर पर विकासात्मक एवं शैक्षणिक स्तर पर आज भी दलितों की स्थिति चिन्ताजनक है। दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली के कारण, आज शिक्षा की स्थिति बदत्तर है, जो आपके सामने एक संस्थागत सर्वे बता रहा है। इसमें सुधार हेतु संस्था रणनीति बना रही है, लेकिन उसमें तमाम महिला-भाई की सहभागिता की आवश्यकता है। एतवारी भाई ने गीत के माध्यम से जागरूक करने का प्रयास किया, साथ ही कैसे खुश रहा जाता है, उसका तरीका भी बताया।

प्रभारी राधा मोहन भाई ने संबोधित करते हुए बताया कि देश के विकास में महिलाओं की भी अहम् भूमिका है। महिल-पुरूष एक सिक्के के दो पहलू हैं। आज किसी भी क्षेत्र में महिलाएँ पुरूषों से पीछे नहीं है। बस, उन्हें साथ लेकर चलना तथा भेद-भाव से बचना और उनका हौसला बढ़ाने की ज़रूरत है। आज सरकार ने पंचायती राज में 50% आरक्षण देकर महिलाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। लेकिन अधिकांश जगहों में उनका पति ही सब कुछ कर रहे हैं महिलाओं को मौका ही नहीं दिया जा रहा है। जब तक पुरूषों की मानसिकता नहीं बदलेगी, तब तक महिलाओं का अधिकार मिल पाना मुश्किल जैसा लगता है। महिला अस्तित्व जन्म से मृत्यु तक पिता, भाई, पति, बेटा से जोड़ा जाता है। सम्पत्ति पर नियंत्रण न होना महिलाओं को पुरूषों द्वारा आर्थिक गुलामी में रखने का मूल श्रोत माना जाता है। "महिला सशक्तिकरण हेतु संस्था हर स्तर पर प्रयासरत है, लेकिन आप लोग को भी मानसिक रूप से तैयार होना पड़ेगा," राधा मोहन जी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा। उत्प्रेरक, प्रताप पासवान समूह को जीविका से जोड़ने की प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक बताया। इनके अलावे पूर्व पंचायत प्रधान; मुन्ना ठाकुर, अनुदेशक; संजीत चौधरी, बासगीत कुमार, संगीता देवी, सरिता देवी, फूला देवी, असगरी खातून, माला देवी एवं अन्य कई महिलाओं ने भी संबोधित किया।

अंत में धन्यवाद देते हुए मालती देवी ने कहा "संस्था से हमलोग बहुत सीखें हैं, बहुत आगे बढ़े हैं, आज संस्था के बिना भी हमलोग अपने स्तर पर आपसी झगड़ा का समसझौता करते हैं, कई बार थाना में जाकर केश-मुकदमा होने से बचाये हैं, जरूरी है, सभी बहन को आपस में मिल-जुल कर रहने का। अगर हमलोग मिल-जुल कर रहेंगे तो बड़ा से बड़ा काम हमलोग कर लेंग"। संकल्प गीत, हम होंगे कामयाब- हम होंगे कामयाब, के साथ महिला दिवस समारोह का समापन की गई।

रिपोर्टः श्री राधा मोहन